Sign in to edit and save changes to this file.

लखनऊ संस्करण
वर्ष-06, अंक -52
मंगलवार, 14 दिसंबर 2021
पृष्ठ-12
मूल्य-3 रुपये

दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
For epaper : www.dainikbhaskarup.com

गेहूं फसल में खरपतवार नियंत्रण करें किसान

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिक डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण नितांत आवश्यक है। डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की बहुत बड़ी समस्या है खरपतवारों के कारण फसल को नुकसान होता है तथा उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवारों के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35त्न तक की कमी देखी गई है। क्योंकि जो पोषक तत्व फसलों को दिए जाते हैं वह पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं। जिससे फसल कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि खरपतवार नियंत्रण अवश्य अपनाएं। डॉ सिंह ने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवारों की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई, गेहूसा (गेहूं का मामा) आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक,

कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि। डॉक्टर सिंह ने बताया कि चौड़ी एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए दवा सुल्फोसुल्फुरेन 5 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 दिन के अंदर छिड़काव करें जब खेत में पर्याप्त नमी हो।जिससे किसानों को लाभ होगा। अथवा सकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेट्रिब्यूज़ीन 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया की कभी-कभी गेहूं की फसल में केवल सकरी पत्ती वाले ही खरपतवार होते हैं तो इसके लिए किसान भाई द्वह्यश्श्चह्म्श्ह्लह्वद्रह्म्श्ठ 750 ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई के 30 दिन के अंदर छिड़काव करें और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2,4-डी सोडियम साल्ट आधा किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 के अंदर छिड़काव करें।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | उत्तर प्रदेश
12 | 03

जन एक्सप्रेस

www.janexpresslive.com/epaper | 14 दिसंबर, 2021

एडवाइजरी : गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण आवश्यक

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने सोमवार को किसानो के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की बहुत बड़ी समस्या है जिसके उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवारों के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35 फीसदी तक की कमी देखी गई है। क्योंकि फसलों को दिए जाने वाले पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं। जिससे फसल कमजोर हो जाती है। उन्होंने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवारों की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई, गेहूसा आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक, कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि होते है।

Sign in to edit and save changes to this file.

सत्यनिष्ठ, उत्कृष्ट
लोकनायक भारत
नई दिल्ली संस्करण वर्ष-01, अंक - 42 | राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र | p.r.g.p. Licence No.- F2 (L-1) Press-2021 | मंगलवार, 14 दिसंबर 2021 | पृष्ठ 12 | मूल्य 3 रु
For epaper → www.loknayakbharat.com

गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण करें किसान, होगा लाभ : डॉ भानु प्रताप

कानपुर । सीएसए के क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिक डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण नितांत आवश्यक है। डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की बहुत बड़ी समस्या है खरपतवारों के कारण फसल को नुकसान होता है तथा उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवारों के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35% तक की कमी देखी गई है। क्योंकि जो पोषक तत्व फसलों को दिए जाते हैं वह पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं। जिससे फसल कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि खरपतवार नियंत्रण अवश्य अपनाएं। डॉ सिंह ने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवारों की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई, गेहूसा (गेहूं का मामा) आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक, कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि। डॉक्टर सिंह ने बताया कि चौड़ी एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए दवा सुल्फोसुल्फुरेन 5 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 दिन के अंदर छिड़काव करें जब खेत में पर्याप्त नमी हो।जिससे किसानों को लाभ होगा। अथवा सकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेट्रिब्यूज़ीन 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया की कभी-कभी गेहूं की फसल में केवल सकरी पत्ती वाले ही खरपतवार होते हैं तो इसके लिए किसान भाई isoprotueron 750 ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई के 30 दिन के अंदर छिड़काव करें और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2,4-डी सोडियम साल्ट आधा किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 के अंदर छिड़काव करें।

एडवाइजरी : गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण आवश्यक

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने सोमवार को किसानो के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की बहुत बड़ी समस्या है जिसके उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवारों के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35 फीसदी तक की कमी देखी गई है। क्योंकि फसलों को दिए जाने वाले पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं। जिससे फसल कमजोर हो जाती है। उन्होंने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवारों की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई, गेहूसा आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक, कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि होते है।

वर्ष 15 अंक 340 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, मंगलवार 14 दिसम्बर 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज -8 चंडीगढ़ की हरनाज संधू बनीं मिस यूनिवर्स, 21 साल

गेहूं फसल में खरपतवार नियंत्रण करें किसान, होगा लाभ : डॉक्टर भानु प्रताप सिंह

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिक डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण नितांत आवश्यक है। डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की बहुत बड़ी समस्या है खरपतवारों के कारण फसल को नुकसान होता है तथा उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवारों के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35त्न तक की कमी देखी गई है। क्योंकि जो पोषक तत्व फसलों को दिए जाते हैं वह पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं। जिससे फसल कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि खरपतवार नियंत्रण अवश्य अपनाएं। डॉ सिंह ने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवारों की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई, गेहूसा (गेहूं का मामा) आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक, कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि। डॉक्टर सिंह ने बताया कि चौड़ी एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए दवा sulfosulfueron 5 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 दिन के अंदर छिड़काव करें जब खेत में पर्याप्त नमी हो।जिससे किसानों को लाभ होगा। अथवा सकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेट्रिब्यूज़ीन 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया की कभी-कभी गेहूं की फसल में केवल सकरी पत्ती वाले ही खरपतवार होते हैं तो इसके लिए किसान भाई isoprotueron 750 ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई के 30 दिन के अंदर छिड़काव करें और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2,4-डी सोडियम साल्ट आधा किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 के अंदर छिड़काव करें। डॉ भानु प्रताप सिंह ने किसान भाइयों से अपील किया है कि दवा छिड़कते समय सावधानी जरूर बरतें मुंह पर मास्क और हाथों में दस्ताना पहन कर छिड़काव करें तथा जब तेज हवा चल रही हो तब छिड़काव बिल्कुल न करें।